

**पणिहार** पुं. (तद्.) क्षत्रियों की एक जाति।

**पणिहारा** पुं. (तद्.) पणिहारा, पानी लाने या भरने वाला स्त्री. पणिहानि (पणिहारी)।

**पणी** पुं. (तत्.) 1. क्रय-विक्रय करने वाला; व्यापारी 2. एक ऋषि, ऋषि का नाम।

**पण्य** वि. (तत्.) 1. खरीदने योग्य, (माल) 2. बेचने योग्य, सौदा 3. व्यापार अथवा व्यवहार करने योग्य 4. प्रशंसनीय, प्रशंसा के योग्य पुं. 1. रोजगार 2. बाजार, हाट, दुकान।

**पण्यपति** पुं. (तत्.) 1. बड़ा व्यापारी, रोजगार करने वाला बड़ा सेठ या साहूकार।

**पण्यांगना** स्त्री. (तत्.) वेश्या।

**पण्यशाला** स्त्री. (तत्.) दुकान, वह स्थान जहाँ वस्तुएँ बिकती हैं।

**पण्याजीव** पुं. (तत्.) वणिक, व्यापारी।

**पण्याजीव्य** पुं. (तत्.) 1. व्यापारी 2. बाजार।

**पण्योपघात** पुं. (तत्.) 1. बिक्री के सामान या माल में होने वाली हानि 2. नुकसान की भरपाई।

**पतंखा** पुं. (देश.) एक प्रकार का बगुला, पतोखा।

**पतंग** पुं. (तत्.) 1. पक्षी, चिड़िया 2. शलभ, पतंगा, पाँखी, भुनगा 3. मकड़ी, टिड्डी 4. सूर्य 5. कोई परदार कीड़ा 6. एक प्रकार का धान 7. जल-महुआ, जलमधूक वृक्ष 8. कंदुक, गेंद 9. एक गंधर्व का नाम 10. एक प्राचीन पर्वत 11. बदन, शरीर 12. नाव, नौका, नैया 13. चंदन का एक प्रकार जो निर्गंध होता है 14. पारद, पारा 15. वाणव्यंतर नामक देवगणों में आने वाले जैनों के एक देवता 16. चिंनगारी 17. कृतण, विष्णु 18. अश्व, घोड़ा 19. कागज की बनी वह पतंग जो धागे से बाँधकर उड़ाई जाती है, चंग 20. एक प्रकार का बड़ा जिससे लाल रंग बनाते हैं मुहा. पतंग काटना- पेंच लड़ाकर किसी की पतंग की डोरी काट देना; पतंग बढ़ाना- डोर में ढील देते हुए पतंग को और ऊँचाई प्रदान करना पतंगबाज- पतंग उड़ाने, लड़ाने वाला, दक्ष

**पतंगबाजी-** पतंगबाज होने की क्रिया या भाव पतंग उड़ाने का हुनर **पतंगछुरी-चुगली** करने वाला, चुगलखोर।

**पतंगम** पुं. (तत्.) 1. पक्षी, चिड़िया 2. पतंगा, शलभ 3. सूर्य।

**पतंगसुत** पुं. (तत्.) 1. सूर्य के पुत्र अश्विनी कुमार 2. यम 3. शनि 4. सुग्रीव 5. कर्ण, राधेय।

**पतंगा** पुं. (तद्.) 1. हवा में उड़ने वाला वह कीड़ा जिसके पंख होते हैं, पाँखी 2. चिनगारी, स्फुलिंग, अग्निकण 3. फूल, गुल 4. दीये की बत्ती का वह भाग जो जलकर उससे अलग हो जाता है, गिर जाता है।

**पतंगि** पुं. (तत्.) पतंग अर्थात् सूर्य के पुत्र-कर्ण, शनैश्चर, यम और सुग्रीव।

**पतंगिका** स्त्री. (तत्.) 1. एक विशेष प्रकार की मधुमक्खी, बड़ी मधुमक्खी 2. छोटी चिड़िया, छोटा पक्षी 3. दे. पतंचिका।

**पतंगी** स्त्री. (तद्.) 1. पक्षी 2. रंग-बिरंगी एवं महीन (साड़ी या वस्त्र)।

**पतंगेंद्र** पुं. (तत्.) 1. गरुड़ 2. पक्षिराज।

**पतंचल** पुं. (तत्.) 1. एक ऋषि 2. ऋषि का नाम।

**पतंचिका** पुं. (तत्.) धनुष की डोरी, कमान की ताँत, चिल्ला।

**पतंजलि** पुं. (तत्.) 1. एक प्रसिद्ध ऋषि जिन्होंने योग-सूत्र की रचना की 2. पाणिनि के व्याकरण के सूत्रों और कात्यायन के वार्तिकों पर महाभाष्य (टीका) लिखने वाले एक प्रख्यात ऋषि।

**पत** स्त्री. (तद्.) प्रतिष्ठा, लाज, इज्जत, आबरू।

**मुहा.** पत रखना- इज्जत रखना, मर्यादा रखना, लाज रखना; पत उतारना- प्रतिष्ठा या मर्यादा नष्ट करना, बेइज्जती करना पुं. 1. पत्ता, पत्र यथा- पतझड़ 2. पति, खसम, खाविंद 3. मालिक, स्वामी, प्रभु।

**पतग** पुं. (तत्.) पक्षी, पखेरू, चिड़िया।

**पतंगेंद्र** पुं. (तत्.) गरुड़, पक्षिराज।